महाराष्ट्र में भ्रष्टाचार दूर किया जाना

4099. श्री गंगा भक्त सिंह : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या उन्होंने महाराष्ट्र के मुख्य मंत्री को एक पत्र लिखा है जिसमें उन्होंने विभिन्न सरकारी विभागों से भ्रष्टाचार दूर करने के लिये उनकी सरकार द्वारा की गई कार्यवाही के बारे में पूछा है,

(ख) यदि हां, तो उन्होंने किन कारणों से प्रेरित हो कर महाराष्ट्र के मुख्य मंत्री को ऐसा पत्र लिखा है, और

(ग) क्या अन्य मुख्य मंत्रियों को भी ऐसे पत्र लिखे गये थे और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण है ?

प्रधान मंत्री (श्री मोरारजी देसाई) (क) जी हां ।

(ख) और (ग) प्रधान मंत्री ने एक समाचार रिपोर्ट देखने के बाद यह पत्र लिखा । इस रिपोर्ट के मुताबिक महाराष्ट्र के एक पुलिस सब-इन्सपैक्टर ने जब यह देखा कि रिश्वत लिये बिना सेवा में बने रहना उसके लिये मुश्किल है तो उसे अपने पद से इस्तीफा दे देना पडा । प्रधान मंत्री ने केवल महाराष्ट्र के मुख्य मंत्री को पत्र लिखा, अन्य मुख्य मंत्रियों को नहीं, क्योंकि जिस घटना से प्रेरित होकर यह पत्र लिखा गया उसका सम्बन्ध महाराष्ट्र से था ।

Setting up of cement factories in Cuddapah and Rayalaseema, A.P.

4100. SHRI K. OBUL REDDY: Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state

(a) the number of licences and letters of intent issued to set up large scale cement factories in Cuddapah district of Andhra Pradesh;

(b) whether Government are contemplating to set up mini cement plants in Rayalaseema area of Andhra Pradesh, and

(c) if so, whether Government propose to terminate letters of intent issued to set up large scale cement factories?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRI JAGDAMBI PRASAD YADAV) (a) One Industrial Licence and One Letter of Intent have been granted to the Cement Corporation of India Ltd and M/s. Texmaco Ltd respectively for setting up cement plants at Yerranguntla in Cuddapah District with an annual capacity of 4.00 lakh tonnes each.

(b) No Sir.

(c) Does not arise.

अंदमान और निकोबार द्वीप का नाम बदल कर "नेताजी सुभाष बोस द्वीप" रखा जाना

4101. श्री ओम प्रकाश त्यागी : क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या सरकार को ज्ञात है कि देश के अनेक प्रसिद्ध देशभक्तों और स्वतंत्रता सेनानियों को अंदमान निकोबार द्वीप समूह स्थित जेलों में रखा गया था और नेताजी सुभाष चन्द्र बोस ने इसी स्थान पर पहली बार आजाद हिन्द फौज की सहायता से भारतीय स्वतंत्रता का झंडा फहराया था, और

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार इस द्वीप का नाम "नेताजी सुभाष बोस द्वीप" रखने के प्रस्ताव पर विचार करेगी ?

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री धनिक लाल मण्डल) . (क) जी हां, श्रीमान् ।

(ख) अंदमान तथा निकोबार द्वीपसमूह का नाम बदल कर "शहीद और स्वराज्य द्वीप" रखने के लिये 24 फरवरी, 1978 को श्री समर गुह ने सदन में एक गैर-सरकारी सदस्य विधेयक पेश किया था । सदन को एक आश्वासन दिये जाने पर कि प्रस्ताव अंदमान तथा निकोबार के लिये गृह मंत्री की सलाहकार समिति के समक्ष रखा जाएगा जिसमें श्री गुह को भी समिति के सामने अपने विचार रखने के लिये आमंत्रित किया जाएगा, विधेयक वापस ले लिया गया था । किन्तु श्री गुह 20 जनवरी, 1979 को हुई इस सलाहकार समिति की बैठक में भाग नहीं ले सके । इसलिये प्रस्ताव सलाहकार समिति के समक्ष इसकी अगली बैठक में रखा जाएगा ।